

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

1 1/28 - 1/28

सं० 113 ] No. 113] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 20, 1998/फाल्गुन 1, 1919 है। कि

## खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्रालय (उपभोक्तां मामले विभाग)

## . **अधिसूचना** नई दिल्ली, 20 फरवरी, 1998

का o आ o 142( अ ). — केन्द्र सरकार, अग्रिम संविदा( विनियमन) अधिनियम, 1952(1952 का 74) की धारा 5 के अधीन विजय ध्यौपर चेम्बर लि॰, मुजफ्फरनगर द्वारा मन्यता के नवीकरण के लिए आवेदन पर, वायदा बाआर आयोग मुंबई के परामर्श से विचार करके और यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए उक्त चेंम्बर को गुड में अग्रिम संविदाओं के बारे में 1 अप्रैल, 1998 से 31 मार्च, 2000 तक की अविध के लिए मान्यता प्रदान करती है।

 एत्दद्वारा मान्यता इस शर्त के अध्याधीन है कि उक्त चेम्बर ऐसे निर्देशों का पालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाएं।

' [मिसिल सं०१२/(४)/आई०टी०/98]

कमल किशोर, आर्थिक सलाहकार

## MINISTRY OF FOOD & CONSUMER AFFAIRS (Department of Consumer Affairs)

## **NOTIFICATION**

New Delhi, the 20th February, 1998

S.O. 142(E).—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition, made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Vijay Beopar Chamber Limited, Muzaffarnagr and being satisfied that it would be in the intrest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Chamber for a further period from 1st April, 1998 to 31st March, 2000 in respect of forward contracts in gur.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Chamber shall comply with such directions, as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[File No. 12/(4)/IT/98]

KAMAL KISHORE, Economic Adviser

480 G.I / 98